हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

M.A. Part- II Hindi - IX,X,XI,XII,XIII,XIV,XV,XVI Syllabus Semester III & IV

Hindi Vidya Prachar Samiti's

Ramniranjan Jhunjhunwala College

Of Arts, Science & Commerce

(Autonomous College)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Syllabus for the M.A. Part- II

Program : M.A. HINDI

Program Code : RJAPGHIN

Course : Hindi - IX,X,XI,XII,XIII,XIV,XV,XVI

Sem. III & Sem. IV

(CBCS 2018-19)

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

DISTRIBUTION OF TOPICS AND CREDITS

MA Hindi- IX,X,XI,XII,XIII Syllabus Semester III

Course code	Nomenclature	Credits	Topics
RJAPGHIN301	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	4	१. रस सिद्धांत २. अलंकार सिद्धांत ३. रीति सिद्धांत ४. वक्रोक्ति सिद्धांत ५. ध्वनि सिद्धांत ६. औचित्य सिद्धांत ७. हिंदी आलोचना का विकास ८. अभिजात्यवाद, मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद, आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकतावाद ९. प्लेटो, अरस्तू, टी.एस. इलियट, आई.ए. रिचर्डस्
RJAPGHIN302	आधुनिक काव्य	4	१. कामायनी २. आँगन के पार द्वार ३. प्रतिनिधि कविताएँ – मुक्तिबोध (भूल गलती, अँधेरे में, ब्रह्म राक्षस)
RJAPGHIN303	विविध विमर्श एवं साहित्य	4	१. झूला नट (स्त्री विमर्श) २. अब और नहीं (दलित विमर्श) ३. धूणी तपे तीर (आदिवासी विमर्श)
RJAPGHIN304	मराठी संतों का हिंदी काव्य	4	१. संत नामदेव की हिंदी पदावली २. तुकाराम पदावली
RJAPGHIN305	विशेष अध्ययन – चित्रा मुद्गल	4	1. एक जमीन अपनी 2. पोस्ट बॉक्स नं. २०३ नालासोपारा 3. पेंटिंग अकेली है

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

MA Hindi- XIV,XV,XVI Syllabus Semester IV

Course code	Nomenclature	Credits	Topics
RJAPGHIN401	मराठी से हिंदी में अनूदित साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन	4	१. वाइरस (उपन्यास) २. यह जनता अमर है (बिंदा करंदीकर की कविताएँ) ३. घासीराम कोतवाल (नाटक)
RJAPGHIN402	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4	१. भाषा २. भाषा विज्ञान ३. स्वन विज्ञान ४. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ , मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ ५. हिंदी का वाक्य विन्यास ६. हिंदी के स्वरों एवं व्यंजनों का वर्गीकरण ७. रूप विज्ञान ८. वाक्य विज्ञान ९. अर्थ विज्ञान १०. हिंदी की रूप रचना ११. देवनागरी लिपि
RJAPGHIN403	प्रकल्प लेखन	4	१. प्रकल्प

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

हिंदी विभाग

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

हिंदी भाषा और साहित्य स्नातकोत्तर : अनिवार्य योग्यता

1) **साहित्यिक कृतियों के पाठन व आस्वादन हेतु विद्यार्थियों में रूचि विकसित करना .**
2) **साहित्य के माध्यम से समाज की स्थिति को स्पष्ट करना .**
3) **साहित्य के माध्यम से देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक स्थिति से विद्यार्थियों को अवगत कराना.**
4) **साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की जानकारी देना.**
5) **साहित्य के पठन-पाठन से दो भाषाओं के बीच की खाई को पाटना.**
6) **साहित्य के माध्यम से समाज या दो भाषाओं के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान से प्रेम तथा सद्भाव लाना.**
7) **विद्यार्थियों में भाषिक कौशल्य का विकास करना.**
8) **विद्यार्थियों में व्याकरणिक कौशल्य का विकास करना.**
9) **विद्यार्थियों में पत्र लेखन तथा रिपोर्ट लेखन के कौशल्य का विकास करना.**

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

एम.ए. (द्वितीय वर्ष)

Semester III (तृतीय सत्र)

Course Code : RJAPGHIN301

प्रश्न पत्र - ९

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Poetics and Literary Criticism

खण्ड — क (भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना)

इकाई एक **श्रेयांक - १**

१. रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस के अवयव,
रस निष्पत्ति, साधारणीकरण

२. अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ

३. रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

इकाई दो **श्रेयांक - १**

४. वक्रोक्ति सिद्धांत : अवधारणा, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

५. ध्वनि सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, स्वरूप, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य

६. औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ

७. हिंदी आलोचना का विकास

खण्ड — ख (पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और विचारक)

इकाई तीन **श्रेयांक - १**

सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद, आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई चार **श्रेयांक - १**

१. विचारक :१. प्लेटो के काव्य सिद्धांत
२. अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धांत
३. टी. एस. इलियट — परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण
४.आई. ए. रिचर्ड्स — व्यावहारिक आलोचना,
रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, संप्रेषण।

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

सन्दर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र ९)

१. भारतीय साहित्यशास्त्र – डॉ.बलदेव उपाध्याय
२. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा – डॉ. नगेन्द्र
३. साहित्य का मूल्यांकन – डॉ.रामचंद्र तिवारी
४. रस सिद्धांत : स्वरूप और विश्लेषण – डॉ.आनंद प्रसाद दीक्षित
५. रस सिद्धांत – डॉ. नगेन्द्र
६. काव्यतत्त्व विमर्श – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
७. काव्यशास्त्र – डॉ.भगीरथ मिश्र
८. साहित्य शास्त्र – डॉ.कमलाप्रसाद पाण्डेय
९. भारतीय समीक्षा सिद्धांत – डॉ.सूर्यनारायण द्विवेदी
१०. ध्वनि सिद्धांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य – डॉ.टी.एन.राय
१२. रामविलास शर्मा की साहित्य साधना - सं. डॉ. मिथिलेश शर्मा
१३. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत – डॉ.रामलाल सिंह
१४. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – डॉ. रामविलास शर्मा
१५. आलोचक का दायित्त्व – डॉ.रामचंद्र तिवारी
१६. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल
१७ . नामवर के विमर्श – डॉ.सुधीर पचौरी
१८.पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत – डॉ.शांतिस्वरूप गुप्त
१९.पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा
२०. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ.निर्मला जैन
२१. उत्तर आधुनिकता : साहित्यिक विमर्श – सुधीर पचौरी
२२. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार – सं. देवीशंकर नवीन
२३. समीक्षा के विविध आधार – सं. डॉ.रामजी तिवारी
२४. पाश्चात्य काव्य चिंतन – डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
२५. छन्दोलंकार प्रदीपिका – विश्वबंधु शर्मा
२६. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा – डॉ.निर्मला जैन
२७. हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार – कृष्णदत्त पालीवाल
२८. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रतिमान – डॉ.हरीश अरोड़ा
२९. आई.ए.रिचर्ड्स के समीक्षा सिद्धांत – डॉ.विष्णु सरवदे

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

Semester III (तृतीय सत्र)

Course Code : RJAPGHIN302

प्रश्न पत्र - १०

आधुनिक काव्य

Modern Poetry

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक - २**

१. कामायनी - जयशंकर प्रसाद

(चिंता, श्रद्धा और इडा)

इकाई - तीन **श्रेयांक - १**

२. आंगन के पार-द्वार - अज्ञेय

(बना दे चितेरे, चिड़िया ने, अन्तःसलिला, असाध्य वीणा)

इकाई चार **श्रेयांक - १**

३. प्रतिनिधि कविताएँ - मुक्तिबोध

(भूल गलती, अँधेरे में, ब्रम्ह राक्षस)

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> - (प्रश्न पत्र-१०)

1.	कामायनी का पुनर्मूल्यांकन	डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
2.	कामायनी : एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध
3.	कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	डॉ.नगेन्द्र
4.	कामायनी : मूल्यांकन और मूल्यांकन	डॉ.इंद्रनाथ मदान
5.	आधुनिक कविता का पुनर्पाठ	डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
6.	अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन	डॉ.चंद्रकांत बांदिवडेकर
7.	अज्ञेय की काव्यतिर्तिषा	डॉ. नंदकिशोर आचार्य
8.	अज्ञेय की कविता परंपरा और प्रयोग	रमेश ऋषिकेश
9.	प्रसाद, निराला, अज्ञेय	डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी

10.	मुक्तिबोध की काव्यदृष्टि	डॉ.सुरेश ऋतुपर्ण
11.	निराला और मुक्तिबोध : चार लंबी कविताएँ	नंदकिशोर
12.	मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना	डॉ.नंदकिशोर नवल
13.	मुक्तिबोध की कविताएँ	डॉ.अशोक चक्रधर
14.	अज्ञेय : चिंतन और साहित्य	प्रेमधन
15.	आधुनिक हिंदी प्रबंध में मिथक और नारी	डॉ.शीला आहूजा
16	मुक्तिबोध के साहित्य में सामाजिक बोध	डॉ. सुमन सिंह

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

Semester III (तृतीय सत्र)

Course Code : RJAPGHIN303

प्रश्न पत्र - ११

विविध विमर्श एवं साहित्य

Literary Theories and Literature

पाठ्य-पुस्तकें -

इकाई - एक और दो **श्रेयांक -२**

१. झूला नट (स्त्री विमर्श) - मैत्रेयी पुष्पा, राजकमल प्रकाशन,
नयी दिल्ली ११०००२

इकाई - तीन **श्रेयांक - १**

२. अब और नहीं (दलित विमर्श) - ओमप्रकाश वाल्मीकि,
राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ११०००२

इकाई - चार **श्रेयांक - १**

३. धूणी तपे तीर (आदिवासी विमर्श) - हरिनाम मीणा
साहित्य उपक्रम, संस्करण - २००८

सन्दर्भ ग्रन्थ - (प्रश्न पत्र - ११)

1.	हिंदी साहित्य का आधा इतिहास	डॉ.सुमन राजे
2.	हिंदी उपन्यास का स्त्री -पाठ	डॉ.रोहिणी अग्रवाल
3.	स्त्री-लेखन : स्वप्न और संकल्प	डॉ.रोहिणी अग्रवाल
4.	हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ	डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
5.	आवां विमर्श	डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
6.	चित्रा मुद्गल के काठ साहित्य में संघर्ष और संवेदना	अंजू दुआ जैमिनी
7.	स्त्री-विमर्श की उत्तर-गाथा	अनामिका
8.	भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास	मोहनदास नैमिशराय
9.	दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	ओमप्रकाश वाल्मीकि
10.	दलित साहित्य : अनुभव, संघर्ष एवं यथार्थ	ओमप्रकाश वाल्मीकि
11.	मुख्यधारा और दलित साहित्य	ओमप्रकाश वाल्मीकि

12.	मात्र देह नहीं औरत	मृदुला सिन्हा
13.	आदिवासी लेखन : एक उभरती चेतना	रमणिका गुप्ता
14.	आदिवासी साहित्य - यात्रा	सं. रमणिका गुप्ता
15.	अस्मिता बोध के विविध आयाम	कविता भाटिया
16.	हिंदी साहित्य में वर्णित सांप्रदायिकता का स्वरुप	डॉ.दत्तात्रय मुरुमकर
17.	पिंजरे के परिदृश्य का बहार का आत्मकथन	डॉ.दत्तात्रय मुरुमकर
18.	भूमंडलीकरण और हिंदी कहानी	डॉ.दत्तात्रय मुरुमकर
19.	दलित साहित्य संवेदनाओं का अनुशीलन	डॉ.हनामंतराव पाटिल
20.	स्त्री - विमर्श का कालजयी इतिहास	सं.संजय गर्ग
21.	समकालीन हिंदी कविता में दलित चेतना	डॉ. सुमन सिंह

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

Semester – III (तृतीय सत्र)

Course Code : RJAPGHIN304

(अंतः अनुशासनिक अध्ययन)

प्रश्न पत्र - १२

मराठी संतों का हिंदी काव्य

Hindi Poetry by Marathi Saints

इकाई एक और दो : **श्रेयांक - २**

१. **संत नामदेव की हिंदी पदावली** - संपादक डॉ. भगीरथ मिश्र, डॉ राजनारायण मौर्य
(पद संख्या - १, ३, ९, १२, १५, १८, १९, २३, ३२, ४२, ४८, ५१, ६४, ६५, ७४, ७६, ९२, ९६, ९७, १०५)

इकाई तीन और चार : **श्रेयांक - २**

२. **तुकारामाची गाथा** - प्रकाशक गो.य. राणे (पद संख्या ३४८७, ३४८८, ३४८९, ३४९२, ३४९६, ३४९७ (३५०९ ,३५०७ ,३५०२ ,३५०१ ,३४९९ ,

सन्दर्भ ग्रन्थ : (प्रश्न पत्र - १२)

१. संत कबीर और तुकाराम के काव्य में अभिव्यक्त सांस्कृतिक चेतना का तुलनात्मक अनुशीलन - डॉ. बालकवि लक्ष्मण सुरंजे
२. संत नामदेव और हिंदी संत साहित्य - डॉ.रामचंद्र मिश्र
३. हिंदी निर्गुण काव्य का प्रारंभ और संत नामदेव की कविता - डॉ.शं.के.आदकर
४. हिंदी और मराठी वैष्णव संत साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ.न.चि.जोगलेकर
५. हिंदी और मराठी का निर्गुण संत काव्य - डॉ.प्रभाकर माचवे
६. मराठी का भक्ति साहित्य - डॉ.भी.गो. कोलते
७. मराठी संतों की हिंदी वाणी - संपा. डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
८. मराठी संत काव्याची सामाजिक फलश्रुति - श्री ग. बा. सरदार
९. पाँच संत कवि - शं. गो. तुलपुले

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

Semester – III (तृतीय सत्र)

Course Code : RJAPGHIN305

प्रश्न पत्र - १३

विशेष अध्ययन - चित्रा मुद्गल

Author Study : Chitra Mudgal

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक - २**

१. एक जमीन अपनी (उपन्यास) - चित्रा मुद्गल, सामयिक प्रकाशन,
नयी दिल्ली - ११०००२

इकाई तीन **श्रेयांक -१**

२. पोस्ट बॉक्स नं.२०३ नालासोपारा (उपन्यास) - चित्रा मुद्गल

इकाई - चार **श्रेयांक -१**

३. पेंटिंग अकेली है (कहानी संग्रह) - चित्रा मुद्गल

सन्दर्भ ग्रन्थ -(प्रश्न पत्र - १३)

1. चित्रा मुद्गल : एक अध्ययन — डॉ. के. वैजना
2. चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य में संघर्ष और संचेतना — डॉ.अंजू दुआ जैमिनी
3. आवां विमर्श — डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
4. हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ — डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
5. विविधा — डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
6. साहित्य और संस्कृति के सरोकार — डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
7. सृजन के अनछुए सन्दर्भ — डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
8. हिंदी साहित्य : मूल्यांकन और मूल्यांकन — डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
9. हिंदी उपन्यास का स्त्री पाठ — डॉ.रोहिणी अग्रवाल
10. स्त्री-लेखन : स्वप्न और संकल्प — डॉ.रोहिणी अग्रवाल
11. समकालीन कहानी : नया परिप्रेक्ष्य — डॉ.पुष्पपाल सिंह

12.	स्त्री-विमर्श की उत्तर गाथा	अनामिका
13.	मात्र देह नहीं है औरत	मृदुला सिन्हा
14.	आधी दुनिया का सच	डॉ.कुमुद शर्मा
15.	अपने होने का अर्थ	रेखा कस्तवार
16.	अस्मिता बोध के विविध आयाम	कविता भाटिया
17.	हिंदी कथा साहित्य : एक दृष्टि	डॉ.सत्यपाल संस्कृत
18.	२१ वीं शती का हिंदी उपन्यास	डॉ.पुष्पपाल सिंह
19.	भूमंडलीकरण और हिंदी उपन्यास	डॉ.पुष्पपाल सिंह
20.	हिंदी उपन्यास का इतिहास	डॉ.गोपाल राय

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

Semester – IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : RJAPGHIN401

प्रश्न पत्र - १४

मराठी से हिंदी में अनूदित साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

Comparative Study of Translated Works from Marathi to Hindi

पाठ्य पुस्तकें

इकाई एक और दो **श्रेयांक - २**

१. वायरस (उपन्यास) - जयंत विष्णु नारलीकर, पेपर बैंक, २०१६,
राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली- ११०००२

इकाई - तीन **श्रेयांक - १**

२. यह जनता अमर है (विं.दा. करंदीकर की कविताएँ) - अनुवादक-डॉ.चंद्रकांत बांदिवडेकर, प्रथम संस्करण २००१, संवाद प्रकाशन, मेरठ -२५०००४ (उत्तरप्रदेश)

चयनित कविताएँ - माड़ वृक्षों, पश्चिम सागर, जाड़े की गुनगुनी धूप, चूकी दिशाएँ फिर भी, हे ब्रम्हमंत, बकी, जबरदस्त, विद्रोही आत्माएँ, लेकिन श्रेय तुम्हारा ही है, यह जनता अमर है |

इकाई चार **श्रेयांक - १**

3. घासीराम कोतवाल (नाटक) -विजय तेंदुलकर, अनुवादक - वसंत देव,
पेपर बैक - २००७ राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली- ११०००२

सन्दर्भ ग्रन्थ -(प्रश्न पत्र - १४)

1	आधुनिक कविता का पुनर्पाठ	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
2	जयंत नारलीकर आत्महरित (मराठी)	डॉ.जयंत नारलीकर
3	तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	सं.डॉ.हनुमान प्रासाद शुक्ल
4	मराठी साहित्य परिदृश्य	डॉ.चंद्रकांत बांदिवडेकर
5	भारतीय साहित्य की भूमिका	डॉ.रामविलास शर्मा
6	सृजन का अंतर्पाठ	डॉ.कृष्णदत्त पालीवाल
7	भारतीय साहित्य	मूलचंद गौतम

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

Semester – IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : RJAPGHIN402

प्रश्न पत्र - १५

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
Linguistics and Hindi Language

खण्ड : क

इकाई एक **श्रेयांक- १**

१. भाषा : भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, **भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य**

२. भाषा विज्ञान : भाषा विज्ञान नामकरण, परिभाषा, **भाषा अध्ययन का क्षेत्र**

३. स्वन विज्ञान : परिभाषा, स्वरूप, वाग अवयव और उनके कार्य, **स्वन एवं स्वनिम** स्वनिम की विशेषताएँ, स्वनिम के भेद — खण्डेय स्वनिम, खंडयेत्तर स्वनिम, स्वन परिवर्तन की दिशाएँ, स्वन परिवर्तन के कारण

खण्ड : ख

इकाई दो **श्रेयांक - १**

१. **हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ —** वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएँ।

मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ — पाली, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।

२. हिंदी का वाक्य विन्यास : पद, पदक्रम, वाक्य के भेद (अर्थ एवं रचना के आधार पर)

३. हिंदी के स्वरों एवं व्यंजनों का वर्गीकरण

खण्ड : ग

इकाई तीन **श्रेयांक- १**

१. रूप विज्ञान : **रूप विज्ञान का स्वरूप** ,शब्द और रूप, अर्थतत्व और संबंध तत्व, रूप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, रूपिम और संरूप।

२. वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, निकटस्थ अवयव।

३. अर्थ विज्ञान : **अवधारणा**, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण।

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

खण्ड : घ

इकाई चार **श्रेयांक - १**

१. हिंदी की रूप रचना : १. उपसर्ग, प्रत्यय, समास के आधार पर ।
२. लिंग, वचन, कारक के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का रूपांतरण।

२. देवनागरी लिपि : नामकरण, विशेषताएँ, समस्याएँ, सुधार के प्रयास / मानकीकरण।

सन्दर्भ ग्रन्थ - (प्रश्न पत्र - १५)

१. भाषा विज्ञान — डॉ. भोलानाथ तिवारी

२. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

३. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास — डॉ. उदयनारायण तिवारी

४. हिंदी भाषा – डॉ.भोलानाथ तिवारी

५. सरल भाषा विज्ञान – डॉ.अशोक के.शाह

६. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण – डॉ.अंबादास दीक्षित

७. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम - डॉ.अंबादास दीक्षित

८. सामान्य भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक विवेचन – डॉ.देवेन्द्र कुमार शास्त्री

९. वर्ण विज्ञान – श्री प्रभात रज्जन सरकार

१०. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा – डॉ.देवेन्द्र कुमार शास्त्री

११. हिंदी व्याकरण प्रकाश – डॉ.महेंद्र कुमार राना

१२. भाषा विज्ञान की रूपरेखा – द्वारका प्रसाद सक्सेना

१३. नागरी लिपि : रूप और सुधार – मोहन ब्रज

१४. हिंदी उद्भव,विकास और रूप – हरदेव बाहरी

१५. भाषा भाषिकी – डॉ.देवीशंकर द्विवेदी

१६. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ.बाबुराम सक्सेना

१७. हिंदी भाषा एवं भाषाविज्ञान – डॉ.महावीरसरन जैन

१८. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ.रामकिशोर शर्मा

१९. भाषा – सं. राजमल बोरा

२०. भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ.रामकिशोर शर्मा

२१. भाषा विज्ञान – रमेश रावत

२२. भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी – डॉ.अमर सिंह वधान

२३. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन – रामगोपाल शर्मा

२४. हिंदी भाषा : कल और आज – पूरनचंद टंडन

२५. हिंदी भाषा, व्याकरण और रचना – डॉ.अर्जुन तिवारी

२६. भारतीय भाषा विज्ञान – आचार्य किशोरीलाल वाजपेयी

२७. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा

२८. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप - राजमणि शर्मा

२९. भाषा और प्रौद्योगिकी – डॉ.विनोद प्रासाद

३०. भाषा शिक्षण – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

३१. हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ.भोलानाथ तिवारी

३२. हिंदी भाषा की संरचना - डॉ.भोलानाथ तिवारी

३३. राजभाषा हिंदी – कैलाश चन्द्र भाटिया

३४. भाषा की उत्पत्ति, रचना और विकास – विनोद दिवाकर

३५. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरू

३६. हिंदी वर्तनी का विकास – अनीता गुप्ता

३७. हिंदी का विश्व सन्दर्भ – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

<u>हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय</u>

Semester – IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : RJAPGHIN403

प्रश्न पत्र - १६

प्रकल्प लेखन

Project WORK

अंक विभाजन - ६० अंक प्रकल्प के लिए

४० अंक मौखिकी के लिए

सुचना :

रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय (स्वायत्त) का हिंदी विभाग प्रकल्प के विषय उपलब्ध कराएगा । रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय (स्वायत्त), अन्य विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों के हिंदी विभाग के प्राध्यापक प्रकल्प प्रस्तुत करने वाले छात्रों की मौखिकी लेने के लिए उपस्थित रहेंगे । विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहने वाले परीक्षक का मानधन सम्बंधित संस्थान को देय होगा । एक प्राध्यापक सारे केन्द्रों को मिलाकर अधिकतम दस छात्रों का ही मार्गदर्शन कर सकेंगे ।

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

Examination

1. External Examination (Semester and Examination) Total Marks – 60
2. Internal Examination (आतंरिक परीक्षण) Total Marks – 40

कक्ष परीक्षा / पुस्तक समीक्षा / प्रकल्प	- २० अंक
प्रस्तुतीकरण / रचनात्मक कार्य	- १० अंक
कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता	- ०५ अंक
शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	- ०५ अंक

प्रश्न पत्र १६ के लिए - ६० अंक (प्रकल्प)

- ४० अंक (मौखिकी)

एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष सेमेस्टर III से IV के लिए

प्रश्न पत्र का प्रारूप

पेपर क्र. ९, १५

प्रश्न क्र. १	पूछे गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. २	पूछे गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. ३	पूछे गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. ४	पूछे गए चार टिप्पणियों में दो के उत्तर अपेक्षित	१५ अंक

६० अंक

पेपर क्र. १०, ११, १३, १४

प्रश्न क्र. १	पूछे गए तीन सन्दर्भ-सहित व्याख्या में से दो के उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. २	पूछे गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. ३	पूछे गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. ४	पूछे गए पाँच टिप्पणियों में से तीन के उत्तर अपेक्षित	१५ अंक

६० अंक

हिंदी विद्या प्रचार समिति द्वारा संचालित रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय

पेपर क्र. १२

प्रश्न क्र. १	अ)	पूछे गए दो सन्दर्भ-सहित व्याख्या में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
	आ)	पूछे गए दो सन्दर्भ-सहित व्याख्या में से एक का उत्तर अपेक्षित	
प्रश्न क्र. २		पूछे गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. ३		पूछे गए दो दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
प्रश्न क्र. ४	क)	पूछे गए दो टिप्पणियों में से एक का उत्तर अपेक्षित	१५ अंक
	ख)	पूछे गए दो टिप्पणियों में से एक का उत्तर अपेक्षित	---
			६० अंक